भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2078 ● मासिक पत्र : दिसम्बर 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ के पदाधिकारी एवं दायित्व

श्री राजेश चेतन (प्रधान)
संपर्क : 9811048542

संयोजक : रोहिणी-II
प्रभारी : कैंसर केयर समिति,
बीपीएमएस विवाह सेवा समिति

श्री दिनेश गुप्ता (महासचिव)
संपर्क : 9810003215

संयोजक : पीतपुरा-II
प्रभारी : आपदा राहत समिति,
डी डी ए समिति

श्री संजय जैन
(कोषाध्यक्ष)
संपर्क : 9810032754

संयोजक : सेंट्रल दिल्ली
प्रभारी : हमारा बुक बैंक समिति, स्वास्थ्य समिति

श्री हंसराज रलहन
(उपप्रधान एवं मानव संसाधन-एचआरडी)
संपर्क : 9212163340

संयोजक : नॉर्थ एनसीआर
प्रभारी : अपना घर आश्रम समिति

श्री सुनील अग्रवाल
उपप्रधान एवं वित्त विभाग (फाइनेंस)
संपर्क : 9899275130

संयोजक : ईस्ट एनसीआर
प्रभारी : शिक्षा समिति, जल सेवा समिति

श्री प्रमोद शर्मा
(प्रचार मंत्री)
संपर्क : 9868162572

संयोजक : साउथ एनसीआर
प्रभारी : बिजनेस पाठशाला समिति

श्री सुशील गनोत्रा
(संगठन मंत्री)
संपर्क : 9899454931

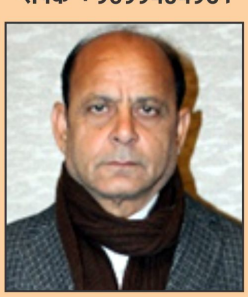

संयोजक : वेस्ट एनसीआर
प्रभारी : रोजगार समिति, पर्यावरण समिति

श्री पवन मोड़ा
(सचिव एवं सेवा समिति विभाग)
संपर्क : 9350461306

संयोजक : रोहिणी-I
प्रभारी : वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन समिति,
अंगदान देहदान समिति

श्री मनीष गोयल
(संयुक्त सचिव एवं संस्कृति विभाग)
संपर्क : 9811195512

संयोजक : शालीमार बाग, अशोक विहार
प्रभारी : टूरिजम समिति,
वस्त्र एवं वस्तु संग्रह समिति

श्री विनय सिंघल
(संयुक्त सचिव एवं गृह नगर विभाग होम टाउन)
संपर्क : 9999190575

संयोजक : पीतमपुरा-I
प्रभारी : बलिदानी सम्मान समिति,
रक्त सेवा समिति

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

सम्पादकीय

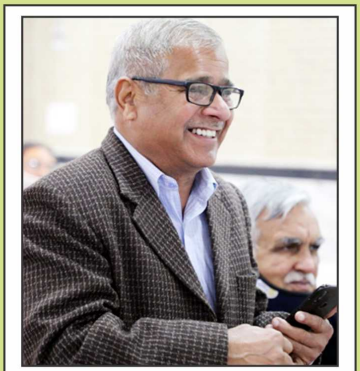

श्री जगत नारायण भारद्वाज

9416376123

सेठ छाजूराम अलखपुरिया गतांक से आगे...

दसवीं पास करते ही सन 1883 में वे कलकत्ता चले गए। ब्रिटिशकाल में यह अंग्रेजों की राजधानी होती थी। वहां उन्होंने मारवाड़ियों से संपर्क किया। महाजनी का ज्ञान होने के कारण इनको मारवाड़ियों से व्यवहार करने में बहुत आसानी रही। इन्होंने मुनीमी की तथा मारवाड़ी बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाया।

एक विशेष बात यह रही कि मारवाड़ियों को छाजूराम के अंग्रेजी भाषा की जानकारी होने का बहुत लाभ मिला, क्योंकि मारवाड़ियों का सरकार के साथ अंग्रेजी में पत्र व्यवहार छाजूराम ही करते थे। पत्र व्यवहार करते हुए छाजूराम व्यापार की गुप्त तकनीक व गुर सीख गए।

दस वर्षों के बाद सन् 1893 में ये खुद एक ब्रोकर बन गए। यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ था। चौधरी छाजूराम अपने बच्चों को अपने संस्मरण सुनाते हुए बताते थे कि जब वे गांव आते थे तो किराया भी उधार मांग कर ले जाते थे। उनके पास रेल के किराए के अतिरिक्त कुछ नहीं होता था। अध्यापन व मुनिमी करते हुए ये एक बड़े व्यापारी बन गए। अपने व्यवहार की शुचिता के कारण स्थानीय मारवाड़ी लोग इन्हें अब सेठ कहकर संबोधित करने लगे। अब इनके नाम के साथ चौधरी की बजाए सेठ लगने लग गया।

इनके बारे में इतिहासकार शिवानंद मलिक ने लिखा है कि सेठ छाजूराम की 21 कोठी कलकत्ता के संभ्रांत क्षेत्र में, सात कलकत्ता के बड़े बाजार में तथा चौदह कोठी अलीपुर में थी। सन् 1928 से 1931 में सेठ जी का चार करोड़ रुपए का सरमाया हो गया था। उन दिनों इन्हें 21 कोठी वाला सेठ के नाम से जाना जाता था। इस बात को लेकर बहुत से पाठकों को आश्चर्य होगा कि आदरणीय जी डी बिरला एक समय में इनके किराएदार होते थे।

सेठ छाजूराम जितने अमीर हुए उतने ही उदारमना थे। इनके समक्ष जो भी जरूरतमंद आया उसे आशा के अनुरूप सहायता मिली। इनकी दो शादियां हुई। पहली पत्नी की हैजा के कारण मृत्यु हो गई तो 1899 में बिलावल गांव की कुमारी लक्ष्मी देवी से दूसरा विवाह हुआ। इनसे पांच पुत्र व तीन पुत्रियां हुई। दुर्भाग्य से पांच संतानों की असामयिक मृत्यु हो गई।

वज्रपात तो तब हुआ जब इनके प्रिय पुत्र सज्जन कुमार का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया।उनके लिए यह सदमा असहनीय था। सज्जन कुमार 1930 से 1934 में व इनसे पहले सेठ छाजूराम 1927 में पंजाब विधान परिषद में हिसार जिले के गैर मुस्लिम ग्रामीण से सदस्य बने थे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ की नवंबर माह की गतिविधियाँ

दीवाली मंगल मिलन एवं महामाई का गुणगान (31.10.2021)

दीवाली की रामराम एवं कैंसर केयर गोष्ठी (7.11.2021)

बिसनेस सेमीनार (7.11.2021)

हास्य कवि सम्मेलन (10.11.2021)

ब्लड डोनेशन कैंप (12.11.2021)

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्री राम दत शर्मा
31 अक्टूबर 2021

श्रीमती कुमकुम दधीच
31 अक्टूबर 2021

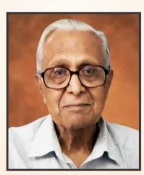

श्री वेद प्रकाश गुप्ता
8 नवम्बर 2021

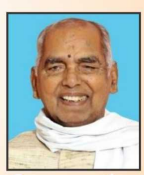

श्री कृष्ण कुमार मेहता
9 नवम्बर 2021

श्री दिनेश गुप्ता
21 नवम्बर 2021

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री विपिन भगेरिया
संरक्षक सदस्य
(1 दिसम्बर)

श्री संजय जैन
संरक्षक सदस्य एवं कोषाध्यक्ष
(2 दिसम्बर)

श्री डी.सी. अग्रवाल
भिवानी गौरव
(3 दिसम्बर)

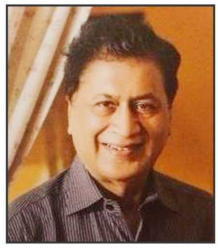

श्री हरी कृष्ण चौधरी
भिवानी गौरव
(4 दिसम्बर)

श्री सतीश कुमार गुप्ता
संरक्षक सदस्य
(5 दिसम्बर)

श्री ब्रह्म सरूप गुप्ता
संरक्षक सदस्य
(5 दिसम्बर)

श्री नवीन कुमार मित्तल
संरक्षक सदस्य
(7 नवम्बर)

श्री एम.एस. शयोराण
भिवानी गौरव
(09 दिसम्बर)

श्री हंसराज रलहन
संरक्षक सदस्य एवं उप-प्रधान
(10 दिसम्बर)

श्री सत्यदेव चौधरी
संरक्षक सदस्य
(15 दिसम्बर)

सुश्री विभा भारद्वाज
ओजस्विनी सम्मान
(16 दिसम्बर)

श्री विनोद देवसारिया
कार्यकारिणी सदस्य बीपीएमएस
(24 दिसम्बर)

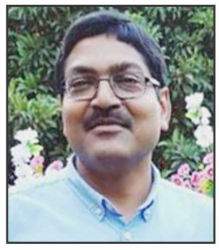

श्री पंकज जैन
संरक्षक सदस्य
(28 दिसम्बर)

श्री रमाकांत शर्मा
भिवानी गौरव
(29 दिसम्बर)

भिवानी के साहित्यकार

लेखक वी.एम.बेचैन के बारे में विशेष जानकारी

नाम - विनोद मैहरा उर्फ वी.एम. बेचैन
शिक्षा -पत्रकारिता से स्नातकोत्तर (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र)

1. हरियाणवी हास्य कवि के रूप में देश भर में पहचान। कवि सम्मेलन आयोजक संयोजक (हरियाणवी विशेषकर)
2. आडियों, विडियों, एल्बमस एवं नाटक फिल्मों के गीत व संवाद लेखन।
3. हिंदी उर्दू गीत गजल, व्यंग्य व कहानी लेखन में रचनाधर्मिता का पालन निरंतर जारी।
4. वी. एम.बेचैन पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणवी बोली को भाषा का दर्जा मिले इस दिशा में संघर्षरत है।
5. 2006 से अनेक वर्षों तक हरियाणवी बोली का पहला समाचार पत्र लणीहार का सफल संपादन और प्रकाशन किया।
6. अपने इसी जुनून के चलते 2014 में अपने जीवन भर की अर्जित कमाई से घर बनाने की बजाय बड़े पर्दे के लिए हरियाणवी फिल्म 'बिन तेरे बेचैन' का न केवल निर्माण किया बल्कि उसकी कहानी, संवाद, गीत और उसमेअभिनय भी किया। फिल्म बिन तेरे बेचैन 63वें राष्ट्रीय अवॉर्ड फिल्म फैस्टिवल दिल्ली का हिस्सा रही है और अंतराष्ट्रीय फिल्म फैस्टिवल से गैस्ट ऑफ ऑनर सम्मान से विभूषित रही।
7. हरियाणवी बोली को भाषा का सम्मान मिले इस दिशा में लंबे समय तक हरियाणवी रेडियो जंक्शन के माध्यम से ऑनलाइन सोशल मीडिया पर देश दुनिया में बैठे हरियाणवियों को हरियाणवी तांगा नामक कार्यक्रम के माध्यम से एकजुट करने का प्रयास और हरियाणवी का प्रचार प्रसार
8. 'हरियाणवी बोली में भाषा बनने की संभावनाएं' विषय पर डॉक्यूमेंट्री का निर्माण।
9. हरियाणवी के जुनून के चलते विश्व प्रसिद्ध अंग्रेजी कवियों की चर्चित कविताओं का हरियाणवी में अनुवाद और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड 2021 में नाम दर्ज।
10. संस्कृत के लेखक कालीदास के महान नाटक अभिज्ञान शांकुतलम का हरियाणवी अनुवाद और हरियाणा साहित्य अकादमी से 2013 में श्रेष्ठ कृति सम्मान प्राप्त।
11. हरियाणवी बोली भाषा की ओर उन्मुख हो इसके लिए हर समय प्रयत्नशील और मिर्जा गालिब दुष्यंत कुमार, फैज अहमद फैज, शिव कुमार बटालवी, राहत इंदौरी और हरिवंश राय बच्चन जैसे महान लेखकों की कई रचनाओं को हरियाणवी में अनुवाद करने का सौभाग्य।
12. वर्ष 2018 से भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में युवा कल्याण विभाग में सुपरवाईजर के पद पर कार्यरत।

कवि लेखक वी. एम. बेचैन की प्रकाशित पुस्तकें :-

(1) चौपाल मेरे गांव की (हरियाणवी काव्य)
(2) दश्ते अहसास (उर्दू गजल)
(3) कसूत्ता सिह के कसूत्ते चुटकलें
(4) काच्चे काट रे सा (हरियाणवी काव्य)
(5) फंसो और हँसो (हरियाणवी हास्य चुटकियां)
(6) शकुंतला अर दुष्यंत (हरियाणवी अनुवाद उपन्यास)
(7) औरत एक ब्रह्मास्त्र (हिंदी उपन्यास)
(8) जै... (अंग्रेजी कविताओं का हरियाणवी अनुवाद)

एक नजर वी.एम. बेचैन की प्रकशनाधीन पुस्तकों पर

1. कई बार लगता है -हिंदी छंदमुक्त काव्य संग्रह
2. काश तुम्हारा नाम गलतफहमी होता-हिंदी छंदमुक्त काव्य संग्रह
3. बेचैन की दारुशाला-हास्य हरियाणवी चुटकियां
4. रोवै ना संतरा हरियाणवी नाटिका संग्रह
5. बिन तेरे बेचैन उर्दू गजल संग्रह
6. हरियाणवी गालिब-हरियाणवी अनुदित गजलें
7. साम्मण की आंधी-हरियाणवी उपन्यास
8. पहल्यां आळे नाम-हरियाणवी काव्य संग्रह
9. दॉ लिजेंड ऑफ कालापानी, वीर सावरकर हिंदी नाटक
10. म्हारी गीता म्हारा ज्ञान-श्री मदभगवदगीता का हरियाणवी अनुवाद

प्रस्तुति : परम सचिन शालीन
7988010075

वी.एम. बेचैन
जीतूवाला जोहड़ भिवानी
संपर्क सूत्र: 9034741834

निशा ग्रेवाल ने लहराया सफलता का परचम

निशा ग्रेवाल

अपनी कड़ी मेहनत व परिश्रम से सफलता की नई कहानी लिखने वाली आज की तेजस्विनी का नाम है निशा ग्रेवाल। जिला भिवानी के बामला गांव में जन्मी निशा ने सफलता का वह परचम लहराया कि आज पूरे देश में सबकी जुबान पर उसका नाम है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 51 वीं वरीयता प्राप्त करने वाली निशा कितनी होनहार और मेघावी है, यह उसने अपने प्रथम प्रयास में ही साबित कर दिया। अपने बुजुर्गों की सीख का सम्मान करने वाली निशा आज खुद भी निरंतर सीखने में विश्वास रखती हैं। संयुक्त परिवार में पली-बढ़ी निशा ग्रेवाल ने भारतीय परंपरा और संस्कृति को अपने व्यवहार में बहुत अच्छे से उतारा है। अपनी सफलता का श्रेय अपने दादाजी श्री रामपाल जी को देते हुए निशा कहती हैं की बड़ों की सीख हमेशा आपको सही मार्ग चुनने के लिए प्रेरित करती है इसलिए हमें हमेशा अपने बुजुर्गों के बताए रास्ते पर चलना चाहिए। श्री सुरेंद्र जी और श्रीमती प्रमिला जी की होनहार बिटिया निशा ग्रेवाल ने भिवानी के ही विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली के मीरांडा हाउस से स्नातक की डिग्री हासिल की। प्रथम प्रयास में ही उनकी शानदार सफलता को उनके अथक परिश्रम व लगन के रूप में माना जा रहा है। पढ़ाई के साथ साथ लिखने के शौक ने ही उन्हें साहित्य के साथ जोड़ा इसीलिए आज वह लिखती भी है और कविताओं के माध्यम से अपना संदेश समाज तक पहुंचाती है। उनके संबोधनों में उनके एक वक्ता होने की झलक साफ दिखाई देती है। प्रशासनिक सेवा में सफल होने के बाद अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने हरियाणा के अनेक स्कूलों में छात्र-छात्राओं से अपने विचार साझा किए हैं बच्चों से मिलने की ललक, बेटियों के प्रति उनकी सोच, महिला सशक्तिकरण के प्रति उनकी संवेदनशीलता उनके वक्तव्य में सुनाई देती है। सत्यार्थ प्रकाश और गीता जैसे ग्रंथों को अपना पथ प्रदर्शक मानने वाली निशा ग्रेवाल ने देश के महान संतों को पढ़ा है और उनकी सोच को अपने जीवन में उतारा है। पढ़ाई के साथ साथ योग और खेलकूद के माध्यम से अपने मानसिक तनाव को दूर करने की कला उन्होंने स्वयं सीखी और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया यही कारण रहा कि आज वह इन सब बातों का जिक्र बच्चों से साझा करती हैं और खेलकूद व योग को अपनाने की सलाह देती हैं। बातचीत की कला में प्रभावशाली निशा ग्रेवाल का व्यक्तित्व अनुकरणीय है। युवा पीढ़ी की प्रेरणा निशा ग्रेवाल संपूर्ण भिवानी जिले में ही नहीं बल्कि देशभर में अपनी सफलता की नई कहानी गढ़ रही है। आने वाले समय में एक बेहतरीन प्रशासनिक अधिकारी के रूप में निशा ग्रेवाल भिवानी जिले को गौरवान्वित करेंगी। उनकी शानदार सफलता पर पूरे भिवानी जिले को नाज है।

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

मेरी कलम से

मैं समय हूँ

सुश्री मंजीत मरवाहा

'मैं समय हूँ और आज महाभारत की अमर कहानी सुनाने जा रहा हूँ।' मेरा कोई अंत नहीं मैं अनंत हूँ। इसीलिए ये आवश्यक है कि हर वर्तमान इस कहानी को सुने ताकि भविष्य के लिए तैयार हो सके। मशहूर धारावाहिक 'महाभारत' में सूत्रधार 'समय' की ये पंक्तियां घर घर में गूँजने लगी। वर्ष 1988 में प्रसारित हूए इस धारावाहिक में सूत्रधार 'समय' का महत्व सामने आता है। 'मैं गुरु, कभी माँ और कभी ऋषि बनकर हर पीढ़ी को इस महायुद्ध के लिए इस कहानी से तैयार करता रहता हूँ।' मैं ही दुर्योधन हूँ, मैं ही अर्जुन और मैं ही कुरूक्षेत्र। यह लड़ाई हर युग को अपने अपने कुरूक्षेत्र में लड़नी पड़ती है।' समय चक्र की गति बड़ी अदभुत है। इसकी गति में अबाधता है। समय का चक्र निरन्तर गतिशील रहता है, रुकना इसका धर्म नहीं है।

मैं समय हूँ
मैं किसी की प्रतीक्षा नहीं करता
मैं निरन्तर गतिशील हूँ
मेरा बीता हुआ एक क्षण,
भी लौट कर नहीं आता है।
जिसने मेरा निरादर किया
वह हाथ मलता रह जाता है।
सिर धुन-धुन कर पछताता है।

समय के बारे में कवि की उपर्युक्त पंक्तियां सत्य हैं। विश्व में समय सबसे अधिक महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान घन माना गया है। यदि मनुष्य की अन्य घन संपति नष्ट हो जाए तो संभव है वह परिश्रम प्रयत्न एवं संघर्ष से पुन: प्राप्त कर सकता है किन्तु बीता हुआ समय कभी प्रतीक्षा नहीं करता। यह निरन्तर गतिशील रहता है। कुछ लोग यह कहकर हाथ पर हाथ घर कर बैठे रहते हैं कि अभी समय अच्छा नहीं है। जब अच्छा समय आएगा तब कोई काम कर लेंगें। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि समय आया नहीं करता, वह तो निरन्तर जाता रहता है।

मानव जीवन नदी की एक धारा के समान है। जिस प्रकार नदी की धारा अबाघ गति से प्रवाहित होती रहती है, ठीक उसी प्रकार मानव-जीवन की धारा भी अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरती हुई चलती रहती है।

कोई ऐसा बांध नहीं जो, रोक सके यह धारा,
एक बार जो गया समय, फिर आता नहीं दोबारा।
बहे जो इस धारा संग, बनता वहीं महान
समय बड़ा बलवान रे भाई, समय बड़ा बलवान।।

समय भी बहती नदियों के समान बहता जाता है। इस संसार में समय सबसे ज्यादा ताकतवर है। समय ही है जो किसी राजा को भिखारी बना देता है और किसी भिरवारी को राजा। इसके इस खेल को आज तक कोई भी नहीं जान सका। समय के साथ चलने वाला इन्सान और वर्तमान में इसके साथ रहने वाला ही सुखी रहता है। समय को अगर तुम व्यर्थ करोगे तो स्वयं को असफल पाओगे। कहते हैं-

करते रहो प्रयास तो इक दिन पर्वत भी हिलता है।
समय चक्र जब चलता है, फल करनी का मिलता है।।

मनुष्य का कर्त्तव्य है जो बीत गया उसका रोना न रोएं, अर्थात वर्तमान और भविष्य का ध्यान करें इसलिए कहा है-

'बीती ताहि बिसार देए आगे की सुघ लेई।'

एक-एक सांस लेने का अर्थ है समय एक-एक अंश कम हो जाना। पता नहीं कब समय समाप्त हो जाए। इसलिए महापुरूषों ने इस तथ्य को समझकर एक पल भी न गवाने की बात कही है। लोक-जीवन में कहावत प्रचलित है- **'पलभर का चुका आदमी कोंसों पिछड़ जाया करता है'**

डचित पथ को पहचान कर समय पर चल देने वाला आदमी अपनी मंजिल भी उचित एवं निश्चित रूप से पा लिया करता है। स्पष्ट है कि जो चलेगा वो तो कहीं न कहीं पहुंच जाएगा। न चलने वाला मंजिल पाने के मात्र सपने ही देख सकता है। अत: समय के महत्व को समझते हुए तत्काल प्रयास आरम्भ कर देना जरुरी है। आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। समय का सदुपयोग करना अति आवश्यक है।

'समय की अविरल धारा में, हमको बहते जाना है।
क्षण व्यर्थ न गंवाकर, अपनी मंजिल को पाना है।।'

इसी ध्येय के साथ निरन्तर आगे बढ़ना है। यह समय ही है जो हमें धन, समृद्धि और खुशी प्रदान करता है। हमें समय के महत्व को समझकर उसका रचनात्मक रंग से प्रयोग करना चाहिए ताकि समय हमें समृद्ध करें।

'आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महानं रिपु:।'

आलस्य ही हमारा दुश्मन है। आलस्य छोड़कर समय का सदुपयोग कर आगे बढ़ो।

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

तृप्ता-कालू के राजदुलारे नानक जी
बहन नानकी जी के प्यारे नानक जी

गृहस्थ धर्म भी बाबा ने स्वीकार किया
बने सुलखणी के भरतारे नानक जी

कातिक की पूरणमासी को जन्म लिया
रहे सदा ही न्यारे न्यारे नानक जी

साधु सेवा को सच्चा सौदा माना
खर्च कर दिए पैसे सारे नानक जी

जात-पात के हर बंधन को तोड़ दिया
लंगर के हैं अजब नजारे नानक जी

निर्गुण भक्ति में कविताओं को रच डाला
काव्य जगत के ग़ज़ब सितारे नानक जी

परमपिता का ही हरदम गुणगान किया
सिक्ख पंथ के थे उजियारे नानक जी

मानव-सेवा धर्म बड़ा है समझाया
तन-मन-धन सेवा हित वारे नानक जी

ढोंग और आडंबर अस्वीकार किया
असत् पंथ को नित्य बुहारे नानक जी

लहणा जी को तख्त बिठाकर मान दिया
अंगद-गुरु के परम सहारे नानक जी

शत-शत वन्दन अभिनन्दन स्वीकार करो
'चेतन' गाता गीत तुम्हारे नानक जी

भिवानी परिवार मैत्री संघ सेवा समितियां

	समिति	संयोजक	संयोजक
1	डी.डी.ए. प्लाट एवं पंचांग समिति	श्री अरविन्द गर्ग	9811757577
2	अपनाघर आश्रम समिति	श्री सांवरमल गोयल	9990541122
3	स्वास्थ्य समिति	श्री संजय गुप्ता	9996543802
4	अंगदान/ देहदान समिति	श्री एन आर जैन	9711917855
5	आदर्श विवाह सुझाव समिति	श्री सुनील बंसल	9560073511
6	बिजनेस पाठशाला समिति	श्री सचिन मेहता	7988010075
7	आपदा राहत समिति	श्री पंकज गुप्ता	9654909070
8	वस्त्र एवं वस्तु संग्रह समिति	श्री गोविन्द राम बंसल	9312923340
9	वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन समिति	श्रीमती सुमन जैन	9999938981
10	रोजगार समिति	श्री विनोद देवसरिया	9810311897
11	टूरिज्म समिति	श्री उमेश मित्तल	9310138001
12	हमारा बुक बैंक समिति	श्रीमती पूजा जैन	9212232753
13	पर्यावरण समिति	श्रीमती पूजा बंसल	9811326261
14	जल सेवा समिति	श्री नवीन जयहिंद	9313581995
15	कैंसर केयर समिति	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग	9911196125
16	शिक्षा समिति	श्री संजय जैन	9811110165
17	रक्त सेवा समिति	श्री वरुण मित्तल	9999400745
18	बलिदानी सम्मान समिति	श्री सुरेश शर्मा	9868279369

व्रत-त्योहार दिसम्बर 2021

गीता जयंती, मोक्षदा एकादशी, मंगलवार 14 दिसम्बर